यह पढ़ाई है सोर्स ऑफ़ इनकम

जो करती प्रबंध 21 जन्मों की कमाई का

मुक्तिधाम जाना भी है आधे-कल्प की कमाई, घाटा नही

भक्त जो शांति- शांति करने की मेहनत करते

आधा-कल्प शांति को पाते

हम बच्चे जीवनमुक्ति का पुरुषार्थ करते

बुद्धि में  हमारी सारे वर्ल्ड की हिस्ट्री जौग्राफी नाचती

बुद्धि योग पुरानी दुनियाँ से निकाल

एक बाप की ही कशिश रखनी

ज्ञान रत्नों से स्वयम को धनवान बनाना

बैटरी भरपूर करनी,अभी समय है कमाई का

हद की इच्छा ,अच्छा बनने न दे

परछाई की तरह वो आगे रहती

यह है जैसे मृगतृष्णा,पीठ कर लो तो पीछे रहेगी

सदा इच्छा मात्रम अविद्ध्या रहना

श्रेष्ठ कर्म व श्रेष्ठ चलन से दुआयें ज़मा करनी

इससे पहाड़ जैसी बात भी रुई जैसे अनुभव होगी

मेरा बाबा

ॐ शांति!!!